

薛卫民注辑

# 七言卷

# 唐宋短诗经典

300首

全新通释本



# 唐宋短诗 经典 300 首

---

全新通释本

薛卫民/注辑  
九洲图书出版社

# 前 言

作为世界优秀文化遗产的重要组成部分，中国古典诗歌这一人类的艺术瑰宝，千秋万代一直闪烁着它的熠熠光辉。即便是在其他种类的文学艺术样式争奇斗美的今天，依然没有什么能够遮蔽它一枝独秀的迷人魅力。

唐朝历时近三百年，是中国古典诗歌发展的鼎盛时期；其后的宋朝三百余年继唐之余韵，又涌现出许多杰出诗人和大量优秀诗作。此书选诗取其唐宋两朝，就是意在让熟读宋词的广大读者，多一个领略宋诗之美的机会。

本书之所以均选八行以内的短诗，主要基于如下考虑：一是已有定评的优秀长诗过去的选本几乎均有收录，见之不难；相反，大量散珠般的短诗，一般选本往往点到为止，割舍太多；而像《万首唐人绝句》这样卷帙浩繁的古本，不但阅读极不方便，而且一般读者也不易见到。二是唐宋两朝诗人众多，除了名见经传者外，尚有许许多多文学史上并无显赫地位甚至不见记述的诗人，而他们作为一个群体，同样创作了大量优秀的诗篇，且绝大多数为短诗；这类短诗大都淹没在并非普及读物的典籍之中，往往缺少被介绍的机会，从而被忽略。还有更重要的一点是，短诗因为篇幅的限制，必须择取客观事物或作者主观思想情感等描写对象中最切

要、最精采的部分，因而“片言可以明百意，坐驰可以役万景”（唐·刘禹锡），“状难写之景如在目前，含不尽之意见于言外”（宋·梅尧臣），更能体现诗歌精炼、浓缩、含蓄的艺术特色。而且短诗较之洋洋洒洒的长诗，也更易于理解和把握，更便于吟咏和记诵。

严格的律诗和绝句，不但每首有固定的行数，而且必须依据一定的平仄、韵律、对仗等规矩；如果拘囿于此，势必把许多内容充实、意境优美、富于个性但却不守上述“规矩”的好诗摒除在外。比如李白的《金陵酒肆留别》，孟郊的《游子吟》，都只有六行；宋代诗人张耒的《卖饼儿》，八行诗换了三个韵；还有许多出自民间诗人之手的优秀诗作，则表现出更大的自由和随意。本书选诗的原则是，唯精是取，以诗意隽永优美为上，而不苛求是否属于正宗的律诗和绝句。

为了方便读者检索、欣赏，书分“五言诗卷”和“七言诗卷”两部分。注释重在关键的字词，兼及典故和必要的背景，并力求简明扼要。由于古今字词的变迁和诗歌用语的特殊性，有时一首古诗往往扫清了语词障碍后，仍不能将其完全贯通；为此，对所选诗作除注释之外，大都做了尝试性的通译。总之，一切努力均在于选注一个篇什精粹、通俗好懂、便于吟咏、易于记诵的唐宋短诗选本。由于资料和本人的学识水平所限，该书一定存在许多偏颇和谬误，敬祈诸位专家和广大读者不吝赐教。

薛卫民

一九九五年九月

# 目 录

## 唐代七言短诗

|              |    |
|--------------|----|
| 张敬忠          | 1  |
| 边词           |    |
| 杜审言          | 2  |
| 赠苏绾书记        |    |
| 沈佺期          | 3  |
| 北邙山    古意    |    |
| 郭  震         | 6  |
| 蚕            |    |
| 贺知章          | 7  |
| 回乡偶书(二首)  咏柳 |    |
| 张  旭         | 10 |
| 桃花矾          |    |
| 崔  颢         | 12 |
| 黄鹤楼  行经华阴    |    |
| 王  翰         | 16 |

|                    |    |
|--------------------|----|
| 凉州词                |    |
| 王之涣 .....          | 17 |
| 凉州词                |    |
| 王昌龄 .....          | 18 |
| 从军行(四首) 出塞 闺怨 采莲曲  |    |
| 芙蓉楼送辛渐             |    |
| 李 颀 .....          | 27 |
| 送魏万之京 野老曝背         |    |
| 常 健 .....          | 30 |
| 三日寻李九庄             |    |
| 刘长卿 .....          | 31 |
| 送李判官之润州行营 登余干古县城   |    |
| 李 华 .....          | 34 |
| 春行寄兴               |    |
| 孟浩然 .....          | 35 |
| 送杜十四之江南            |    |
| 王 维 .....          | 36 |
| 送元二使安西 送沈子福归江东 少年行 |    |
| 九月九日忆山东兄弟 春日与裴迪过新昌 |    |
| 里访吕逸人不遇 出塞作        |    |
| 袁不约 .....          | 44 |
| 长安元夜               |    |
| 李 白 .....          | 46 |
| 黄鹤楼送孟浩然之广陵 闻王昌龄左迁龙 |    |
| 标遥有此寄 赠汪伦 早发白帝城 望庐 |    |
| 山瀑布 望天门山 清平调词 山中答问 |    |

|     |                                         |    |
|-----|-----------------------------------------|----|
|     | 苏台览古 越中览古 春夜洛城闻笛声<br>登金陵凤凰台 金陵酒肆留别      |    |
| 韦应物 | .....                                   | 66 |
|     | 与村老对饮 子规啼 滁州西涧                          |    |
| 包 佶 | .....                                   | 70 |
|     | 再过金陵                                    |    |
| 岑 参 | .....                                   | 71 |
|     | 碛中作 逢入京使 山房春事                           |    |
| 高 适 | .....                                   | 74 |
|     | 塞上闻笛 别董大 除夜作                            |    |
| 卢 纶 | .....                                   | 77 |
|     | 逢病军人 山店                                 |    |
| 李 益 | .....                                   | 79 |
|     | 官怨 夜上受降城闻笛 从军北征 暖川<br>过五原胡儿饮马泉          |    |
| 张 继 | .....                                   | 86 |
|     | 枫桥夜泊                                    |    |
| 元 结 | .....                                   | 88 |
|     | 欸乃曲                                     |    |
| 郎士元 | .....                                   | 89 |
|     | 柏林寺南望                                   |    |
| 刘方平 | .....                                   | 90 |
|     | 春怨                                      |    |
| 杜 甫 | .....                                   | 91 |
|     | 江村 蜀相 狂夫 闻官军收河南河北<br>漫兴(四首) 赠花卿 绝句 将赴成都 |    |

|     |                                   |     |
|-----|-----------------------------------|-----|
|     | 草堂途中有作，寄严郑公 江畔独步寻花<br>绝句 白帝 秋兴 登高 |     |
| 韩 翃 | .....                             | 116 |
|     | 寒食                                |     |
| 严 维 | .....                             | 117 |
|     | 岁初喜皇甫侍御至                          |     |
| 耿 纬 | .....                             | 118 |
|     | 代园中老人                             |     |
| 窦 巩 | .....                             | 119 |
|     | 洛中即事                              |     |
| 杨 凝 | .....                             | 120 |
|     | 春怨                                |     |
| 司空曙 | .....                             | 121 |
|     | 江村即事                              |     |
| 张 籍 | .....                             | 122 |
|     | 邻妇哭征夫 法雄寺东楼 秋思 秋山<br>征妇怨          |     |
| 王 建 | .....                             | 128 |
|     | 雨过山村 夜看扬州市 官人斜 过绮<br>岫宫 十五夜望月     |     |
| 雍裕之 | .....                             | 134 |
|     | 官人斜                               |     |
| 阙 名 | .....                             | 135 |
|     | 长信官                               |     |
| 刘 威 | .....                             | 137 |
|     | 游东湖黄处士园林                          |     |



|                   |     |
|-------------------|-----|
| 李 端               | 139 |
| 宿石洞店闻妇人哭          |     |
| 李 约               | 140 |
| 观祈雨               |     |
| 朱 放               | 141 |
| 乱后经淮阴岸            |     |
| 羊士谔               | 142 |
| 泛舟入后溪             |     |
| 令狐楚               | 143 |
| 少年行               |     |
| 裴 度               | 144 |
| 傍水闲行              |     |
| 韩 愈               | 145 |
| 晚春 盆池 左迁至蓝关示侄孙湘   |     |
| 陈 羽               | 149 |
| 吴城览古              |     |
| 欧阳詹               | 151 |
| 题王明府郊亭            |     |
| 柳宗元               | 152 |
| 渔翁 登柳州城楼寄漳汀封连四州刺史 |     |
| 柳州二月 柳州城西北隅种甘树    |     |
| 崔 护               | 159 |
| 题都城南庄             |     |
| 吕 温               | 161 |
| 贞元十四年旱甚，见权门移芍药    |     |
| 皇甫松               | 162 |

|                     |     |
|---------------------|-----|
| 浪淘沙                 |     |
| 刘禹锡                 | 164 |
| 浪淘沙(二首) 竹枝词(三首) 乌衣巷 |     |
| 西塞山怀古               |     |
| 卢全                  | 173 |
| 白鷺鷥 逢郑三游山           |     |
| 项斯                  | 176 |
| 山行                  |     |
| 孟郊                  | 178 |
| 洛桥晚望 有所思            |     |
| 戎昱                  | 181 |
| 秋夜                  |     |
| 白居易                 | 182 |
| 咏羔羊 涧中鱼 王昭君 后宫词 钱塘  |     |
| 湖春行 春题湖上 移牡丹栽 暮江吟   |     |
| 放言 采莲曲 大林寺桃花 夜筝     |     |
| 赵嘏                  | 199 |
| 江楼旧感                |     |
| 卢肇                  | 200 |
| 题清远峡观音院             |     |
| 薛能                  | 201 |
| 宋氏林亭                |     |
| 韩琮                  | 202 |
| 暮春沪水送别              |     |
| 元稹                  | 203 |
| 遣悲怀(二首) 闻乐天授江州司马    |     |

|                     |     |
|---------------------|-----|
| 贾 岛                 | 208 |
| 渡桑干                 |     |
| 施肩吾                 | 209 |
| 夜笛曲                 |     |
| 张 祜                 | 210 |
| 集灵台 马嵬坡             |     |
| 许 浑                 | 214 |
| 咸阳城东楼               |     |
| 李商隐                 | 216 |
| 锦瑟 无题(二首) 隋宫 贾生 夜雨  |     |
| 寄北                  |     |
| 温庭筠                 | 229 |
| 弹筝人 过陈琳墓            |     |
| 段成式                 | 233 |
| 折杨柳                 |     |
| 陈 陶                 | 234 |
| 陇西行                 |     |
| 皮日休                 | 235 |
| 汴河怀古                |     |
| 陆龟蒙                 | 236 |
| 自遣诗(三首) 岛树 夜泊咏栖鸿 新沙 |     |
| 司空图                 | 242 |
| 河湟有感                |     |
| 张 乔                 | 243 |
| 河湟旧卒                |     |
| 来 鹄                 | 244 |

|                             |     |
|-----------------------------|-----|
| 蚕妇                          |     |
| 方  干                        | 245 |
| 君不来  题君山                    |     |
| 李山甫                         | 248 |
| 柳  松                        |     |
| 李德裕                         | 251 |
| 登崖州城作                       |     |
| 李  涉                        | 253 |
| 润州听暮角                       |     |
| 李敬方                         | 254 |
| 汴河直进船                       |     |
| 朱庆馀                         | 256 |
| 近试上张水部                      |     |
| 李  贺                        | 257 |
| 昌谷北园新笋(二首)  南园(二首)          |     |
| 王  驾                        | 263 |
| 春  晴                        |     |
| 韩  偓                        | 264 |
| 惜花                          |     |
| 杜  牧                        | 266 |
| 登乐游园  将赴吴兴登乐游原一绝  过华        |     |
| 清官(二首)  早雁  江南春  泊秦淮  赤壁  念 |     |
| 昔游  赠渔父  赠别  秋夕  寄扬州韩绰      |     |
| 判官  遣怀  村舍燕  清明  山行         |     |
| 杜荀鹤                         | 292 |
| 山中寡妇  再经胡城县  旅馆遇雨           |     |

|                |     |
|----------------|-----|
| 罗 邕            | 296 |
| 赏春             |     |
| 曹 邕            | 297 |
| 官仓鼠            |     |
| 郑 谷            | 298 |
| 莲叶 淮上渔者 淮上与友人别 |     |
| 秦韬玉            | 301 |
| 贫女             |     |
| 韦 庄            | 303 |
| 台城 稻田          |     |
| 张 蠙            | 305 |
| 吊万人冢           |     |
| 黄 巢            | 306 |
| 赋菊 题菊花         |     |
| 孟宾于            | 308 |
| 公子行            |     |
| 胡令能            | 309 |
| 喜韩少府见访 小儿垂钓    |     |
| 沈 彬            | 311 |
| 都门送别           |     |

## 宋代七言短诗

|     |     |
|-----|-----|
| 王禹偁 | 312 |
|-----|-----|

|     |                                      |     |
|-----|--------------------------------------|-----|
|     | 春居杂兴 泛吴松江 畚田词(二首)                    |     |
|     | 寒食 村行                                |     |
| 张 咏 | 舟中晚望桃源山                              | 321 |
| 魏 野 | 寻隐者不遇                                | 323 |
| 林 逋 | 山园小梅                                 | 324 |
| 欧阳修 | 丰乐亭游春(二首) 田家 行次寿州寄内<br>再至汝阴 画眉鸟 戏答元珍 | 326 |
| 苏舜钦 | 夏意 初晴游沧浪亭                            | 335 |
| 曾 巩 | 初夏                                   | 337 |
| 司马光 | 寒食许昌道中寄幕府诸君 闲居                       | 338 |
| 李 觏 | 忆钱塘江                                 | 341 |
| 阙 名 | 牧童                                   | 342 |
| 葛长庚 | 水村雾                                  | 343 |
| 王安石 | 出郊 元日 泊船瓜洲 书湖阴先生壁                    | 344 |
| 苏 轼 |                                      | 348 |

|                                                          |     |
|----------------------------------------------------------|-----|
| 惠崇春江晚景 题西林壁 雪后书北台壁<br>东栏梨花 中秋月 望湖楼醉书(二首)<br>饮湖上初晴复雨 新城道中 |     |
| 黄庭坚                                                      | 359 |
| 观化                                                       |     |
| 秦    观                                                   | 360 |
| 纳凉 邗沟 秋日                                                 |     |
| 晁冲之                                                      | 363 |
| 春日                                                       |     |
| 张    耒                                                   | 364 |
| 卖饼儿 夜坐                                                   |     |
| 陈与义                                                      | 367 |
| 春日 襄邑道中 观雨                                               |     |
| 杨万里                                                      | 371 |
| 初入淮河(二首) 闷歌行 插秧歌                                         |     |
| 姜    夔                                                   | 377 |
| 湖上寓居                                                     |     |
| 叶    适                                                   | 378 |
| 游园不值                                                     |     |
| 范成大                                                      | 379 |
| 四时田园杂兴(五首) 雪中闻墙外鬻鱼菜<br>者,求售之声甚苦,有感                       |     |
| 林    升                                                   | 386 |
| 题临安邸                                                     |     |
| 陆    游                                                   | 387 |
| 书愤 秋夜将晓出篱门迎凉有感 十一月                                       |     |

|     |                            |     |
|-----|----------------------------|-----|
|     | 四日风雨大作 初晴 村居初夏 游山西<br>村 示儿 |     |
| 朱 熹 | .....                      | 400 |
|     | 观书有感                       |     |
| 武 衍 | .....                      | 401 |
|     | 官词                         |     |
| 戴复古 | .....                      | 402 |
|     | 山村                         |     |
| 文天祥 | .....                      | 403 |
|     | 过零丁洋                       |     |
| 林景熙 | .....                      | 405 |
|     | 山窗新糊有故朝封事稿,阅之有感            |     |
| 谢 翱 | .....                      | 407 |
|     | 过杭州故宫                      |     |



## 边 词<sup>①</sup>

〔唐〕张敬忠

五原春色旧来迟，  
二月垂杨未挂丝<sup>②</sup>。  
即今河畔冰开日，  
正是长安花落时<sup>③</sup>。

### 〔注释〕

①边词——边塞词。以边塞为题材写的诗。

②以上二句：五原的春天一向都来得很迟；农历二月杨柳还未生绿叶青枝。五原——古时的州郡名，辖地包括今内蒙古后套平原以东、阴山以南黄河流域的广大地区，是典型的边塞。未挂丝——杨柳没发绿叶、抽新枝。

③以上二句：今天才到了黄河流域冰融雪化之日；而，这会儿，正是长安城里花瓣飞扬之时。

将边塞、长安同一季节的不同物象并置一处，对比鲜明，含蓄地表达了边塞地区的寒苦。